87	दिनावसानमुत्सूरो विकालसबली म्राप । एकिन किन्माहरू । र
88	सायं काहा हा काहा हुए काहा हुए
89	संध्या तु पितृसू- क्राह्मा
90	स्त्रिसंध्यं तूपवैणावम् ॥ १४० ॥ । ।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।
91	श्राद्धकालस्तु कुतपा अष्टमा भागा दिनस्य यः।
92	निशा निशीयिनी रात्रिः शर्वरी तणादा तपा ॥ १८१ ॥ वर्ष
93	त्रियामा यामिनी भाती तमी तमा विभावरी।
94	र्जनी वसितः श्यामा वासतेयी तमस्विनी ॥ १८२ ॥ ॥ ॥ १८
95	उषा देषिन्डकालाना ह महिल्लाकोत्रहा
96	य तमिस्रा दर्शयामिनी काराकुर्ति गान्सं 08
97	ज्योत्स्ती तु पूर्णिमारात्रि- तिहिनेन्द्राहान
98	र्गणरात्रो निशागणः ॥ १८८३ ॥ १०५१ ९८
99	पिताणी पत्ततुल्याभ्यामक्तिभ्या विष्टिता निशा।
1	गर्भकं रतनोद्धन्दं । एट गान्यक्रायन्तः एएनए नगनी देखः ४८
2	प्रदोषो यामिनीमुखम् ॥ १८८८ ॥ कन्तकः ८८
3	यामः प्रत्ये। ।। ।। व वंद्याद्यं व्याप्त्रम् ।। ।। शक्ति
4	निशोषस्वर्धरात्रा मकानिशा।
5 osse	Tahren und eine Höhe von einem hasta, intellen beine Höhe
	8. Abend (5 W.). — 89. Zwielicht (2 W.). — 90. Die 3 Ta-
	eiten: Morgen, Mittag und Abend (2 W.) 91. Die 8te Stunde
	30theiligen Tages (2 W.) 92-95. Nacht (20 W.) 96.
Neumondsnacht. — 97. Vollmondsnacht. — 98. Anzahl von Nächten. — 99. Eine Nacht mit den beiden angränzenden Tagen. —	
1. Zwei Nächte mit dem dazwischen liegenden Tage. — 2. Abend. —	
3. Wache (ungefähr 3 Stunden) (2 W.). — 4. Mitternacht (3 W.). —	
	nde der Nacht (2 W.). (W 2) ganille 38 (W. le) danidas